प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

नये वर्ष के शुभागमन के साथ पन्द्रहवी बिहार विधान सभा के आठवें सत्र के प्रारम्भ होने के अवसर पर मैं आपसबों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ । मेरी कामना है कि इस नये वर्ष में राज्य के विकास एवं समाज का भविष्य सँवारने में अपनी भूमिका को सदन के माध्यम से सफलतापूर्वक उपयोग कर सकेंगे ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान कुल-29 बैठकें होगी, जिसमें महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर विमर्श के लिए 02 दिन, वित्तीय वर्ष 2013-14 के वार्षिक आय-व्यय पर सामान्य विमर्श के लिए 02 दिन, विभिन्न विभागों की माँगों पर विमर्श के लिए 17 दिन, राजकीय विधेयक के लिए 02 दिन, गैर सरकारी संकल्प के लिए 02 दिन, विनियोग विधेयक के लिए 01 दिन, तृतीय अनुपूरक विवरणी के लिए 01 दिन प्रस्तावित है ।

अपने प्रदेश को विकासोन्मुखी बनाने में आज विधायी निकाय के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ हैं, जिन चुनौतियों का सामना करते हुए हमें अपनी प्रगति के मंजिल तक पहुँचना है । बिहार की जनता ने सदन के अन्दर सत्ता पक्ष को सकारात्मक एवं विपक्ष को रचनात्मक दायित्व का पालन करते हुए जन-जीवन की दशा की बेहतरी तथा स्वर्णिम दिशा के निर्धारण हेतु अपने प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित किया है । विधायी निकाय की सबलता एवं सफलता के लिए रचनात्मक भूमिका निभाते हुए आम-अवाम की समृद्धि तथा अमन-चैन के लिए लोकहितकारी कार्यक्रमों पर गंभीर चिंतन के साथ सत्र का सफल संचालन परमावश्यक है । आप सभी इस तथ्य से अवगत हैं कि सदन का एक-एक पल बहुमूल्य है और इसका सदुपयोग लोकहित में है ।

विगत दिनों कतिपय विकृत मानसिकता का शिकार हमारे देश की मासूम बेटियाँ हुई हैं, जिनमें दिल्ली का गैंगरेप काण्ड मानवता को शर्मसार करने वाली क्रूर पाशविकता की हृदयविदारक घटना है । हम सम्पूर्ण सदन की ओर से इसकी घोर भर्त्सना करते हैं ।

बिहार विधान सभा में भारत के पीठासीन पदाधिकारियों/सचिवों का सम्मेलन पूर्व में दो बार स्थगित होने के उपरान्त दिनांक 17.01.2013 से 21.01.2013 तक निर्धारित हुआ था । सभा सचिवालय ने बिहार सरकार एवं आपके सहयोग से इस कार्यक्रम के सफल संचालन की पूरी तैयारी कर ली थी । परन्तु, लोकसभा सचिवालय द्वारा अकस्मात् इसे स्थगित कर दिया गया, जिससे हमारा बहुमूल्य समय, श्रम एवं चिंतन व्यर्थ चला गया । हमें दुःख है कि बिहार ऐसे अवसर का तत्काल उपयोग नहीं कर सका ।

पूर्व की भाँति सदन में प्रश्नोत्तरकाल का आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं विभिन्न स्थानीय चैनलों से सीधा एवं डेफर्ड प्रसारण कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे सदन में आपकी गतिविधियों से बिहार की जनता सीधे रू-ब-रू हो सके ।

इस सत्र में माध्यमिक विद्यालयों के छात्र/छात्राओं को पूर्व की तरह सदन की कार्यवाही दिखलाने की व्यवस्था की गई है, जिससे हमारी नई पीढ़ी को संसदीय प्रणाली की जानकारी होगी ।

मुझे आशा और विश्वास है कि सत्र के सफल संचालन में नियमों एवं परम्पराओं के अनुरूप आप सभी का सहयोग प्राप्त होगा ।

धन्यवाद !

❄❄❄❄❄